

6
22

पत्रावली पेश हुई। एक एक कर लीन बार
आवाज दिलाई गई न तो कहील उपाव्येत
है। ओर नही पक्षकारान रेती स्थिति मे
न्यायालय इस प्रकार को भागे जेरकार
बरकना उचित नही समझता है। प्रकार भी
काफी पुराना है। अतः पत्रावली कदम
दागरी कदम पेशी में खारिज ही जाती
है। पत्रावली फौजल सुमार होकर नम्बर
से कम की जावे। निर्णय आज दिनांक
15-6-22 को सरे इजलास सुनाया गया।

उप सज्जद अधिकारी
मंगरोल जिला बारी (राज०)